समय : 3:00 घंटे पूर्णांक : 100

सूचना : 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी संवेदना पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर निबंध के तत्वों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए। 10

क) "घुपितर की आज्ञा से
नरभक्षी बूढ़ा गिध्द
मेरे कंधों पर बैठ
दिन-भर नोचा करता है मेरा हदय पिंड।"

अथवा

"यह कितना अद्भुत है
कि बाढ़ चाहे जितनी भयानक हो उन्हें पानी में
थोड़ी-सी जगह ज़रूर मिल जाती है
थोड़ी-सी धूप
थोड़ा-सा आसमान।"

ख) "साहस की ज़िंदगी सबसे बड़ी होती है। ऐसी ज़िंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करती कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं।" 10

अथवा

"रासायनिक उत्पादों से निश्चित सुरक्षा पाने और पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए हमें और अधिक जानकारी हासिल करने की जरूरत है।"

प्रश्न 3. सिलसिला कविता के माध्यम से पूंजीवादी सभ्यता का खोखलापन उजागर कीजिए। 20

अथवा

'चुप्पी टूटेगी' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. 'मनुष्य की सर्वोत्तम कृति: साहित्य' निबंध की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

'अगर मुल्क में अखबार न हो' निबंध का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियां लिखिए। (2 x 10) = 20

(क) 'बाज़ारे-तमाइश' में कविता का आशय
(ख) 'यात्रा' कविता शीर्षक की सार्थकता
(ग) 'पाप के चार हथियार' निबंध का उद्देश्य
(घ) 'पांत का आखिरी आदमी' निबंध में मानवीय सभ्यता का संकट

AA63E0546ACF556F37D4B10A95294B8F